विवरणिका
2015-16

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

अनुक्रम

1. कुलपति का संदेश	01
2. विश्वविद्यालय : संक्षिप्त परिचय	02
3. विश्वविद्यालय के विद्यापीठ : विभाग एवं केंद्र	03
4. विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण	05
5. विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु प्रवेश अर्हता	09
6. विश्वविद्यालय द्वारा अपनाये जाने वाले च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) का प्रारूप	10
7. विविध पाठ्यक्रमों हेतु निर्धारित शुल्क	13
8. विदेशियों के लिए हिंदी पाठ्यक्रम	14
9. आरक्षण	15
10. प्रवेश नियम	15
11. विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाएँ	16
12. छात्रावास विनियम 2015	17
13. लिखित परीक्षा/साक्षात्कार तिथि	19
14. अकादमिक कैलेंडर	20
15. लीला (LILA)	20
16. कंप्यूटर प्रयोगशाला	21
17. पुस्तकालय	21
18. महात्मा गांधी दूरस्थ शिक्षा निदेशालय	21
19. विश्वविद्यालय के अधिकारी/विभागाध्यक्ष/केंद्र निदेशक/प्रभारी	22
20. विभिन्न समितियों के संयोजक/समन्वयक/अध्यक्ष/प्रभारी	24
21. आवेदन-प्रपत्र	

विवरणिका शुल्क :

1. सामान्य वर्ग / अन्य पिछड़ा वर्ग	₹ 300/-
2. अनुसूचित जाति / अुनसूचित जनजाति / विकलांग	₹ 200/-
3. विदेशी अभ्यर्थियों के लिए	US $ 25 (समतुल्य ₹)

कुलपति का संदेश

प्रिय छात्र छात्राओं !

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में आपका हार्दिक स्वागत है। विश्वविद्यालय की संकल्पना प्रायः ज्ञान के सृजन-केंद्र के रूप में की जाती है जिसकी ओर समाज बड़ी आशा के साथ देखता है। विश्वविद्यालय से यह अपेक्षा होती है कि वहाँ से उपज रहे नए विचार और नवाचार जीवन की गुणवत्ता के संबर्धन में सहायक होंगे। सूचना और ज्ञान के विस्फोट के युग में आज प्रतिस्पर्धा इतनी तीव्र गति से बढ़ रही है कि शिक्षा संस्थानों द्वारा ज्ञान को व्यापक समाज में प्रभावी ढंग से पहुँचाने का दायित्व एक जटिल चुनौती बनता जा रहा है। इस प्रसंग में यह विश्वविद्यालय एक जीवंत परिसर उपलब्ध कराता है। यह संस्था हिंदी भाषा और साहित्य के साथ संचार, शिक्षा, प्रदर्शनकारी कला, सामाजिक विज्ञान, मानविकी प्रबंधन आदि के अनेक महत्त्वपूर्ण अनुशासनों में हिंदी को आधार बनाकर अध्ययन, अध्यापन और शोध के कार्य में संलग्न है। यहाँ की शैक्षिक प्रक्रिया में संचार की नई तकनीकों, कल्पनाशीलता, अनुभवपरक सीखने के अवसरों के साथ सामाजिक जीवन से जुड़ने को भी महत्व दिया गया है। यहाँ का प्राकृतिक परिवेश और अध्ययन के लिए उपलब्ध सुविधाओं के साथ आप एक सक्रिय विद्यार्थी के रूप में अपने जीवन की मंज़िलों को पाने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि नैक (NAAC) द्वारा 2015 में निरीक्षण और मूल्यांकन के पश्चात् विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया है जो यहां पर पठन-पाठन के उच्च्व स्तर का द्योतक है।

महात्मा गांधी और महान संत विनोबा भावे के कर्म क्षेत्र में स्थित यह विश्वविद्यालय आपको ज्ञान के साथ कौशलों में दक्ष होने का भी अवसर देगा। आपके व्यक्तित्व का समग्र विकास ही हमारा लक्ष्य है। मुझे विश्वास है कि यहां के अध्यापक और सभी कर्मचारी परिसर में आपके अध्ययन को सफल बनाने के लिए हर संभव सहायता उपलब्ध कराएंगे। आपकी उपस्थिति और प्रगति के साथ यह विश्वविद्यालय भी उन्नति के पथ पर अग्रसर होगा।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित,

गिरीश्वर मिश्र
कुलपति

विश्वविद्यालय : संक्षिप्त परिचय

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की स्थापना भारत की संसद द्वारा 1996 में पारित अधिनियम के अंतर्गत 1997 में केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में की गई। देश का यह पहला अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कर्मभूमि सेवाग्राम (वर्धा) से लगभग दस किलोमीटर दूर नागपुर-मुंबई हाइवे पर उमरी गाँव के निकट पंचटीला पर अवस्थित है। विश्वविद्यालय का क्षेत्रफल लगभग 212 एकड़ है।

इस विश्वविद्यालय की स्थापना सुदीर्घ प्रयत्नों का सुफल है। हिंदी भाषा और साहित्य की उन्नति के साथ ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों में अध्ययन, अनुसंधान और प्रशिक्षण के लिए एक समर्थ माध्यम के रूप में हिंदी का सम्यक् विकास इसका प्रधान लक्ष्य है। देश-दुनिया की भाषाओं के साथ हिंदी के तुलनात्मक अध्ययन तथा उनसे अधुनातन अनुशासनों की अद्यतन ज्ञान-सामग्री का हिंदी में अनुवाद और विकास भी विश्वविद्यालय की प्राथमिकता है। आज के बहुभाषा-भाषी विश्व में एक समर्थ अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी की पहचान स्थापित करना विश्वविद्यालय का प्रमुख लक्ष्य है। विश्वविद्यालय में भाषा विद्यापीठ, साहित्य विद्यापीठ, संस्कृति विद्यापीठ, अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, सृजन विद्यापीठ, शिक्षा विद्यापीठ एवं प्रबंधन विद्यापीठ के अंतर्गत स्नातक, स्नातकोत्तर, शोध और डिप्लोमा के पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त कोलकाता तथा इलाहाबाद में विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय केंद्र भी चल रहे हैं जहाँ कई पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं।

विश्वविद्यालय ने अपने अंतरराष्ट्रीय स्वरूप को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2011 से अंतरराष्ट्रीय समुदाय के शिक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम प्रारंभ किया है। इस विश्वविद्यालय में आवासीय परिसर के साथ साइबर परिसर की सह-परिकल्पना की गई है।इसके लिए आधुनिकतम तकनीकी उपादानों को संयोजित किया गया है। साइबर परिसर को विश्वविद्यालय की 'लीला' की सहायता से संचालित किया जा रहा है। पारंपरिक पुस्तकालय के साथ डिज़िटल पुस्तकालय का विकास भी विश्वविद्यालय की योजना का अंग है। मौलिक और मानक-ग्रंथों का प्रकाशन, दुर्लभ पांडुलिपियों, चित्रों, दस्तावेज़ों का संग्रह, विश्वकोशों और संदर्भ-कोशों का निर्माण आदि विश्वविद्यालय की अनूठी योजनाएँ हैं।

विश्वविद्यालय के विद्यापीठ : विभाग एवं केंद्र

भाषा विद्यापीठ

यह विद्यापीठ हिंदी की प्रभावी प्रकार्यात्मक क्षमता के विकास के प्रति समर्पित है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यह विद्यापीठ हिंदी भाषा के वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकीय अध्ययन में संलग्न है। यहाँ पर भारतीय भाषायी परिप्रेक्ष्य में देश और दुनिया की भाषाओं के साथ तुलनात्मक अध्ययन और शोध पर विशेष ध्यान दिया जाता है। यह विद्यापीठ शोध, शिक्षण और प्रशिक्षण के विविध पाठ्यक्रमों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में हिंदी की प्रभावी भूमिका स्थापित करने तथा शिक्षार्थी के लिए रोजगार के अधिकाधिक अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयत्नशील है। भाषा विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग/केंद्र संचालित हैं:

1. भाषा अध्ययन विभाग
2. कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग
3. भारतीय एवं विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र
4. भाषाविज्ञान विभाग

साहित्य विद्यापीठ

साहित्य समावेशी विद्या है। ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों और कलाओं के साथ उसका घनिष्ठ एवं प्रगाढ़ संबंध रहा है। नई प्रौद्योगिकी ने साहित्य को तीव्र गति प्रदान की है। इस दृष्टि से अंतरानुशासनिक अध्ययन एवं शोध साहित्य विद्यापीठ की प्रमुख गतिविधि है। इसके अंतर्गत निम्नलिखित विभाग है:

1 हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग

संस्कृति विद्यापीठ

1. विकास एवं शांति अध्ययन विभाग
2. स्त्री अध्ययन विभाग
3. डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर-सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र
4. डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध-अध्ययन केंद्र

अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

हिंदी को अनुवाद के माध्यम से संपन्न भाषा बनाकर इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय अस्मिता की भाषा बनाना।

अनुवाद अध्ययन को अंतरानुशासनिक ज्ञान के रूप में विकसित करना तथा मशीन अनुवाद का विकास करना।

निर्वचन को आशु-अनुवाद की परिधि से विस्तृत कर एक स्वतंत्र ज्ञानानुशासन के रूप में विकसित करना।

भारतीय संस्कृति एवं डायस्पोरा के विविध पक्षों पर शोध करना।

अनुवाद अध्ययन को उपकरण के रूप में पर्यटन, भाषाशिक्षण, सिनेमा एवं प्रतीकांतरण आदि क्षेत्रों में विकसित करना।

1. अनुवाद अध्ययन विभाग
2. डायस्पोरा अध्ययन विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

इस विद्यापीठ के अंतर्गत मानविकी व सामाजिक विज्ञान से जुड़े विभिन्न ज्ञानानुशासनों के पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। रोज़गारपरक और नवाचारी पाठ्यक्रमों के शिक्षण-प्रशिक्षण के साथ ही इस विद्यापीठ के विभाग/अध्ययन केंद्र उच्च शिक्षा एवं शोध की गुणवत्ता के लिये प्रतिबद्ध हैं। यहाँ संचालित विभाग/केंद्र हैं-

1. संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र
2. मानवविज्ञान विभाग
3. महात्मा गांधी फ्यूजीई गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र

सृजन विद्यापीठ

इस विद्यापीठ में फिल्म तथा नाट्यकला के अध्ययन और शोध का कार्य किया जाता है। यहां पर फिल्म निर्माण और नाट्य प्रस्तुति की शिक्षा दी जाती है। आज के मीडिया प्रधान युग में इन प्रदर्शकारी कलाओं में व्यावसायिक कार्य का बड़ा विस्तार हुआ है। यहाँ पर प्रायोगिक प्रशिक्षण और कार्यानुभव पर बल दिया जाता है। इस विद्यापीठ में निम्नलिखित विभाग हैः

1. नाट्यकला एवं फ़िल्म अध्ययन विभाग

शिक्षा विद्यापीठ

भारत में सामाजिक परिवर्तन और विकास के लक्ष्य को पाने में शिक्षा की केंद्रीय भूमिका है। साथ ही व्यक्ति और संस्था के स्तर पर मानव व्यवहार का अध्ययन विभिन्न समस्याओं के अध्ययन और समाधान के लिए आवश्यक है। इस दृष्टि से इस विद्यापीठ में निम्नांकित दो विभाग संचालित किये जा रहे हैं :

1. शिक्षा विभाग
2. मनोविज्ञान विभाग

प्रबंधन विद्यापीठ

इस विद्यापीठ के अंतर्गत प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग स्थापित है जिसके अंतर्गत वर्तमान परिवेश की प्रवृत्तियों और आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हिंदी भाषा में प्रबंधन तथा वाणिज्य से जुड़े रोज़गारपरक नवाचारी पाठ्यक्रम आरंभ किए जा रहे हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य हिंदी तथा हिंदीतर भाषियों के लिए बाज़ार की माँग को ध्यान में रखते हुए प्रबंधन से संबंधित ज्ञान एवं कौशल को विकसित करना तथा प्रबंधन/वाणिज्य के सिद्धांत के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान से भी परिचित कराना है।

1. प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग

क्षेत्रीय केंद्र, कोलकाता

ऐकतान, ईज़ेडसीसी, आईए-290 सेक्टर-3, साल्ट लेक, कोलकाता - 700097 (प.बं.)

इस केंद्र द्वारा विभिन्न स्नातकोत्तर, शोध और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों एवं विशेष परियोजनाओं का संचालन/संयोजन किया जा रहा है। यहाँ पर दक्षिण एशिया अध्ययन तथा पूर्वोत्तर सांस्कृतिक अध्ययन के विभाग विकसित किये जा रहे हैं।

क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद

24/28 सरोजिनी नायडू मार्ग, सिविल लाईन्स, इलाहाबाद - 211001 (उ.प्र.)

इस केंद्र द्वारा विभिन्न स्नातकोत्तर, शोध और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों तथा विशेष परियोजनाओं का संचालन/संयोजन किया जा रहा है। यहाँ पर हिंदी की जनपदीय भाषाओं से जुड़े कार्यों पर बल दिया जा रहा है।

विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण

भाषा विद्यापीठ

http://www.hindivishwa.org/school.aspx#

भाषा-विद्यापीठ	पाठ्यक्रम	पाठ्यक्रम अवधि	सीटों की संख्या	संपर्क सूत्र
भाषा अध्ययन विभाग	एम. ए. भाषा अध्ययन	4 सेमेस्टर	30	☎ (07152) 230084
	एम.फिल. भाषा अध्ययन	3 सेमेस्टर	15	
	पी-एच.डी. भाषा अध्ययन	4+1 वर्ष	07	
	भाषा शिक्षण में पी.जी. डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग	एम. ए. कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स	4 सेमेस्टर	30	☎ (07152) 251173
	एम.फिल. कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स	3 सेमेस्टर	10	
	पी-एच.डी. कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स	4+1 वर्ष	02	
	डी.सी.ए.	2 सेमेस्टर	35	
भाषाविज्ञान विभाग	एम.ए. भाषाविज्ञान	4 सेमेस्टर	30	☎ (07152) 230084
	एम.फिल. भाषाविज्ञान	3 सेमेस्टर	10	
भारतीय एवं विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र	एम.फिल. चीनी	3 सेमेस्टर	05	☎ (07152) 230084
	एम.फिल. स्पैनिश	3 सेमेस्टर	05	
	सर्टिफिकेट- मराठी भाषा, उर्दू भाषा, संस्कृत भाषा, अंग्रेजी भाषा, चीनी भाषा, स्पैनिश भाषा, जापानी भाषा, फ्रेंच भाषा	2 सेमेस्टर	20	
	डिप्लोमा-मराठी भाषा, उर्दू भाषा, संस्कृत भाषा, अंग्रेजी भाषा, चीनी भाषा, स्पैनिश भाषा, जापानी भाषा, फ्रेंच भाषा	4 सेमेस्टर	20	
	एडवांस्ड डिप्लोमा- मराठी भाषा, उर्दू भाषा, संस्कृत भाषा, अंग्रेजी भाषा, चीनी भाषा, स्पैनिश भाषा, जापानी भाषा, फ्रेंच भाषा	6 सेमेस्टर	20	

साहित्य विद्यापीठ

http://www.hindivishwa.org/school.aspx#

हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग	एम.ए. हिंदी साहित्य	4 सेमेस्टर	30	☎ (07152) 232974 247124
	एम.ए. तुलनात्मक साहित्य	4 सेमेस्टर	30	
	एम.फिल. हिंदी साहित्य	3 सेमेस्टर	20	
	एम.फिल. तुलनात्मक साहित्य	3 सेमेस्टर	20	
	पी-एच.डी. हिंदी साहित्य	4+1 वर्ष	00	
	पी-एच.डी. तुलनात्मक साहित्य	4+1 वर्ष	08	
	तुलनात्मक भारतीय साहित्य में पी.जी.डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
	बी.ए. हिंदी (ऑनर्स)	6 सेमेस्टर	30	

संस्कृति विद्यापीठ http://www.hindivishwa.org/school.aspx#				
विकास एवं शांति अध्ययन विभाग	एम.ए. विकास एवं शांति अध्ययन	4 सेमेस्टर	30	☎ (07152) 230313
	एम.फिल. विकास एवं शांति अध्ययन	3 सेमेस्टर	20	
	पी-एच.डी. विकास एवं शांति अध्ययन	4+1 वर्ष	01	
	गांधी अध्ययन में पी.जी.डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
स्त्री अध्ययन विभाग	एम.ए. स्त्री अध्ययन	4 सेमेस्टर	30	☎ (07152) 232947
	एम.फिल. स्त्री अध्ययन	3 सेमेस्टर	15	
	पी-एच.डी. स्त्री अध्ययन	4+1 वर्ष	01	
	स्त्री अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
	देशज संस्कृति, भाषा और जेंडर में पी.जी. डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर-सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र	एम.ए. दलित एवं जनजातीय अध्ययन	4 सेमेस्टर	30	☎ (07152) 246967
	एम.फिल. दलित एवं जनजातीय अध्ययन	3 सेमेस्टर	05	
	पी-एच.डी. दलित एवं जनजातीय अध्ययन	4+1 वर्ष	04	
डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र	एम.ए. बौद्ध अध्ययन	4 सेमेस्टर	30	☎ (07152) 251728
	एम.फिल. बौद्ध अध्ययन	3 सेमेस्टर	05	
	पी-एच.डी. बौद्ध अध्ययन	4+1 वर्ष	00	
	बौद्ध अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
	पालि भाषा एवं साहित्य में पी.जी. डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
	बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग में पी.जी. डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
	तिब्बती भाषा एवं धर्म में पी.जी. डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
	पालि भाषा में डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	

अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

http://www.hindivishwa.org/school.aspx#

अनुवाद अध्ययन विभाग	एम.ए. अनुवाद अध्ययन	4 सेमेस्टर	30	☎ (07152) 232984
	एम.फिल. अनुवाद अध्ययन	3 सेमेस्टर	20	
	पी-एच.डी. अनुवाद अध्ययन	4+1 वर्ष	00	
	अनुवाद में पी.जी. डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
	प्रयोजनमूलक हिंदी में पी.जी. डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
	निर्वचन में पी.जी. डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
डायस्पोरा अध्ययन विभाग	एम.ए. प्रवासन तथा डायस्पोरा अध्ययन	4 सेमेस्टर	30	☎ (07152) 232984
	एम.फिल. प्रवासन तथा डायस्पोरा अध्ययन	3 सेमेस्टर	10	
	पी-एच.डी. प्रवासन तथा डायस्पोरा अध्ययन	4+1 वर्ष	00	
	भारतीय डायस्पोरा में पी.जी.डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ

http://www.hindivishwa.org/school.aspx#

संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र	बी.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार (ऑनर्स)	6 सेमेस्टर	30	☎ (07152) 251170
	एम. ए. जनसंचार	4 सेमेस्टर	30	
	एम. फिल. जनसंचार	3 सेमेस्टर	25	
	पी-एच.डी. जनसंचार	4+1 वर्ष	06	
	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में पी.जी. डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
	विज्ञापन एवं जनसंपर्क में पी.जी. डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
मानवविज्ञान विभाग	एम.ए. मानवविज्ञान	4 सेमेस्टर	30	☎ (07152) 230197
	एम.फिल. मानवविज्ञान	3 सेमेस्टर	15	
	पी-एच.डी. मानवविज्ञान	4+1 वर्ष	04	
	फोरेंसिक साइंस में डिप्लोमा (अंशकालिक)	2 सेमेस्टर	20	
महात्मा गांधी फ्यूजीई-गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र	मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एम.एस.डब्ल्यू.)	4 सेमेस्टर	30	☎ (07152) 251878
	मास्टर इन पब्लिक हेल्थ (एम.पी.एच.)	4 सेमेस्टर	30	
	एम.फिल. सोशल वर्क	3 सेमेस्टर	15	
	पी-एच.डी. सोशल वर्क	4+1 वर्ष	03	
	एनजीओ प्रबंधन में पी.जी. डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
	बैचलर ऑफ सोशल वर्क (बी.एस.डब्ल्यू.)	6 सेमेस्टर	30	

सृजन विद्यापीठ

http://www.hindivishwa.org/school.aspx#

नाट्यकला एवं फ़िल्म अध्ययन विभाग	मास्टर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट (फ़िल्म एंड थियेटर)	4 सेमेस्टर	30	☎ (07152) 252251
	एम. फिल. परफॉर्मिंग आर्ट (फ़िल्म एंड थियेटर)	3 सेमेस्टर	15	
	पी-एच.डी. परफॉर्मिंग आर्ट (फ़िल्म एंड थियेटर)	4+1 वर्ष	02	
	भारतीय एवं पाश्चात्य कला तथा सौंदर्यशास्त्र में पी.जी. डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
	बी.वोकः फ़िल्म निर्माण (यू.जी.सी. की स्वीकृति की प्रत्याशा में)	6 सेमेस्टर	30	
	बी.वोकः अभिनय एवं मंच विन्यास (यू.जी.सी. की स्वीकृति की प्रत्याशा में)	6 सेमेस्टर	30	

शिक्षा विद्यापीठ http://www.hindivishwa.org/school.aspx#				
शिक्षा विभाग	बी.एड.	4 सेमेस्टर	50	☎ (07152) 230908
	एम.ए. शिक्षाशास्त्र	4 सेमेस्टर	30	
	एम.फिल. शिक्षाशास्त्र	3 सेमेस्टर	10	
	पी-एच.डी. शिक्षाशास्त्र	4+1 वर्ष	05	
मनोविज्ञान विभाग	एम.ए. मनोविज्ञान	4 सेमेस्टर	30	☎ (07152) 251170
	एम.फिल. मनोविज्ञान	3 सेमेस्टर	10	
	योग तथा स्वास्थ्य अध्ययन में डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	

प्रबंधन विद्यापीठ http://www.hindivishwa.org/school.aspx#				
वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग	एम.कॉम.	4 सेमेस्टर	30	☎ (07152) 230908
	एम.बी.ए.	4 सेमेस्टर	30	
	बी.कॉम. (आनर्स)	6 सेमेस्टर	30	

क्षेत्रीय केंद्र http://www.hindivishwa.org/school.aspx#				
इलाहाबाद	एम.ए. हिंदी साहित्य	4 सेमेस्टर	30	☎ (0532) 2424442
	एम.ए. उर्दू	4 सेमेस्टर	30	
	मास्टर ऑफ सोशल वर्क (एम.एस.डब्ल्यू.)	4 सेमेस्टर	20	
	एम.फिल. हिंदी साहित्य	3 सेमेस्टर	05	
	उर्दू भाषा में डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
	अनुवाद में पी.जी. डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
	पी.जी. डिप्लोमा इन परफॉर्मिंग आर्ट (फ़िल्म एंड थियेटर)	2 सेमेस्टर	20	
	स्त्री-अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
	मलयालम भाषा में डिप्लोमा	2 सेमेस्टर	20	
कोलकाता	एम. ए. हिंदी साहित्य	4 सेमेस्टर	30	☎ (033) 23350144
	एम.ए. जनसंचार	4 सेमेस्टर	30	
	एम.फिल. हिंदी साहित्य	3 सेमेस्टर	05	
	पी-एच.डी. जनसंचार	4+1 वर्ष	02	
	सरल बांग्ला शिक्षण में सर्टिफिकेट (हिंदी भाषियों के लिए)	2 सेमेस्टर	20	
	सरल हिंदी शिक्षण में सर्टिफिकेट (बांग्ला भाषियों के लिए)	2 सेमेस्टर	20	

विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु प्रवेश अर्हता*

बी.वोक./बी.ए. (ऑनर्स) : किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्यबोर्ड से 10+2 परीक्षा न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/विकलांगों के लिए 45%) अंकों के साथ उत्तीर्ण या समकक्ष सी.जी.पी.ए. स्कोर।

बी.एड. (2 वर्ष) : किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय/राज्य बोर्ड/विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / विकलांगों के लिए 45%) अंकों के साथ स्नातक/स्नातकोत्तर या अन्य समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण। विज्ञान और गणित विषय में विशेषज्ञता और 55% अंकों के साथ इंजीनियरिंग या अन्य समतुल्य परीक्षा उत्तीर्ण छात्र भी आवेदन कर सकते हैं।

एम.ए./एम.कॉम.: किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/विकलांगों के लिए 45%) अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3) परीक्षा उत्तीर्ण। संबंधित अनुशासन वाले विद्यार्थियों को वरीयता दी जाएगी।

मास्टर इन पब्लिक हेल्थ : विज्ञान या समाज विज्ञान में कम से कम 50% अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/विकलांगों के लिए 45%) जीवविज्ञान / चिकित्सकीय / समाजविज्ञान / लाइफसाइंस/नर्सिंग/Pharmacology/MBBS/BDS/BHMS/BUMS/समाज कार्य/मनोविज्ञान/मानवविज्ञान में उत्तीर्ण स्नातकों/परास्नातकों को प्राथमिकता दी जायेगी। समाज विज्ञान के स्नातक जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने का अनुभव हो, वे भी अर्हता प्राप्त माने जाएंगे।

मास्टर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.) : किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/विकलांगों के लिए 45%) अंकों सहित बी.बी.ए. / बी.कॉम में स्नातक उपाधि उत्तीर्ण अथवा संबद्ध अनुशासन (बैंक / बीमा / वित्त / प्रबंधकीय / मानव संसाधन / लेखांकन / सुपरवाईजरी / लागत एवं कार्य लेखांकन / कंपनी सचिव आदि) में स्नातक उपाधि सहित 02 अथवा 03 वर्ष का कार्यानुभव रखने वाले आवेदक को प्राथमिकता दी जाएगी।

एम.फिल./पी-एच.डी.: किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55% (अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/विकलांगों के लिए 50%) अंकों के साथ संबंधित/संबद्ध विषय में स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। संबंधित/संबद्ध अनुशासन में एम.फिल./जे.आर.एफ./नेट/स्लेट या यू.जी.सी. द्वारा मान्य अन्य राष्ट्रीय परीक्षा उत्तीर्ण को वरीयता। यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के एम.फिल/पी-एच.डी. उपाधि के लिए न्यूनतम मानक एवं प्रक्रिया विनियम, 2009 के अनुसार संचालित है।

सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम (भाषा) : किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय / राज्यबोर्ड से 10+2 परीक्षा न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / विकलांगों के लिए 45%) अंकों के साथ उत्तीर्ण या समकक्ष सी.जी.पी.ए. स्कोर अथवा उच्चतर उपाधि।

डिप्लोमा पाठ्यक्रम (भाषा) / योग एंड हेल्थ स्टडीज् : किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय / राज्यबोर्ड से 10+2 परीक्षा न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / विकलांगों के लिए 45%) अंकों के साथ उत्तीर्ण या समकक्ष सी.जी.पी.ए. स्कोर अथवा उच्चतर उपाधि के साथ ही संबद्ध भाषा में सर्टिफिकेट।

एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम (भाषा) : किसी भी मान्यता प्राप्त केंद्रीय / राज्यबोर्ड से 10+2 परीक्षा न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / विकलांगों के लिए 45%) अंकों के साथ उत्तीर्ण या समकक्ष सी.जी.पी.ए. स्कोर अथवा उच्चतर उपाधि के साथ ही संबद्ध भाषा में डिप्लोमा।

डिप्लोमा / पी. जी. डिप्लोमा / एडवांस्ड डिप्लोमा पाठ्यक्रम : किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 50% (अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / विकलांगों के लिए 45%) अंकों के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण या समकक्ष सी.जी.पी.ए. स्कोर।

नोट : 1. उल्लेखनीय है कि अर्हताकारी परीक्षा और एम.ए./एम.कॉम.में प्रवेश के बीच 3 वर्ष का अंतराल तथा एम.फिल. के बीच 5 वर्ष से अधिक का अंतराल नहीं होना चाहिए।

2. स्नातकोत्तर उपाधि हेतु मातृभाषा और शिक्षण माध्यम की भाषा को छोड़कर किसी एक भारतीय अथवा विदेशी भाषा में डिप्लोमा करना अनिवार्य है।

विश्वविद्यालय द्वारा अपनाये जाने वाले च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) का प्रारूप

विश्वविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों के अंतर्गत मूल/ऐच्छिक/अनिवार्य पाठ्यचर्याओं का सामान्य विवरण इस प्रकार है। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप परिवर्तन/परिवर्धन संभव होगा जिसके लिए सक्षम अधिकारी की पूर्वानुमति आवश्यक होगी।

पाठ्यक्रम	सेमेस्टर	क्रेडिट	अवधि	पाठ्यचर्या			
				आधार			
				अनिवार्य	**ऐच्छिक**	**मूल (Core)** (कुल 14 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर)	**ऐच्छिक** (कुल 6 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर)
बी.वोक.*/ बी.ए.	6	120 (20 × 6)	1 क्रेडिट=30 घंटे			मुख्य विषय 14 क्रेडिट	सहायक विषय 6 क्रेडिट (3 + 3 क्रेडिट)
एम.ए/ एम.कॉम./ एम.बीए.	4	80 (20 × 4) 56 (70% अपने विभाग से)+24 (30% अन्य विभागों से)	1 क्रेडिट=30 घंटे	1. कंप्यूटर अनुप्रयोग-2 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर (2 सेमेस्टर) 2. चयनित भाषा पाठ्यचर्या-4 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर (2 सेमेस्टर) (पाठ्यचर्या और क्रेडिट वितरण विभाग द्वारा तय किया जाएगा)	1. भारतीय चिंतक 2. पर्यावरण 3. मानवाधिकार 4. भारत का संविधान (4 क्रेडिट-कोई एक)	2 पाठ्यचर्या×4 क्रेडिट=8 क्रेडिट 3 पाठ्यचर्या×2 क्रेडिट=6 क्रेडिट (परियोजना कार्य-4 क्रेडिट तीसरे और/अथवा चौथे सेमेस्टर में)	1 पाठ्यचर्या×2 क्रेडिट=2 क्रेडिट 1 पाठ्यचर्या×4 क्रेडिट=4 क्रेडिट अथवा 3 पाठ्यचर्या×2 क्रेडिट=6 क्रेडिट
एम.फिल.	3	40+20=60 (शोधकार्य + कोर्स वर्क)	1 क्रेडिट=30 घंटे	--	--	**पाठ्यचर्या - 16+4=20 क्रेडिट** (आधारभूत शोध प्रविधि-2 क्रेडिट विषय संबंधी शोध प्रविधि-4 क्रेडिट कंप्यूटर अनुप्रयोग-2 क्रेडिट प्रेक्टिकम-2 क्रेडिट विषय-दृष्टि और अभिगम-4 क्रेडिट रिव्यू ऑफ लिटरेचर-2 क्रेडिट लघु शोध प्रबंध-40 क्रेडिट)	(अंतरविषयक अध्ययन-4 क्रेडिट)

पी-एच.डी.	न्यूनतम-4 अधिकतम-10	120	1 क्रेडिट=30 घंटे	कोर्स वर्क - 20 क्रेडिट (विभाग द्वारा तय किया जाएगा) एम.फिल; उपाधि प्राप्त शोधार्थियों को इससे मुक्त रखा जाएगा।	--	(शोधप्रबंध एवं मौखिकी - 60 क्रेडिट टीचिंग एसोशिएटशिप - 20 क्रेडिट शोधपत्र/क्षेत्रकार्य प्रतिवेदन/ प्रोडक्शन आदि) - 20 क्रेडिट 20 कोर्स वर्क (यदि आवयश्यक हो तो)	--
डिप्लोमा	2	20	1 क्रेडिट=30 घंटे	--	--	पाठ्यचर्या - 8 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर मौखिकी/परियोजना कार्य-4 क्रेडिट (पाठ्यचर्या और क्रेडिट वितरण विभाग द्वारा तय किया जाएगा	--
पी.जी. डिप्लोमा	2	40	1 क्रेडिट=30 घंटे	--	--	पाठ्यचर्या - 16 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर मौखिकी - 4 क्रेडिट परियोजना कार्य - 4 क्रेडिट (पाठ्यचर्या और क्रेडिट वितरण विभाग द्वारा तय किया जाएगा	--
सर्टिफिकेट (भाषा)	2	20	1 क्रेडिट=30 घंटे	--	--	पाठ्यचर्या - 8 क्रेडिट मौखिकी - 2 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर (पाठ्यचर्या और क्रेडिट वितरण विभाग द्वारा तय किया जाएगा	--
डिप्लोमा (भाषा)	4	40	1 क्रेडिट=30 घंटे	--	--	पाठ्यचर्या - 8 क्रेडिट मौखिकी - 2 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर (पाठ्यचर्या और क्रेडिट वितरण विभाग द्वारा तय किया जाएगा	--
एडवांस्ड डिप्लोमा	6	60	1 क्रेडिट=30 घंटे	--	--	पाठ्यचर्या - 8 क्रेडिट मौखिकी - 2 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर (पाठ्यचर्या और क्रेडिट वितरण विभाग द्वारा तय किया जाएगा	--

टिप्पणी :

1. च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (CBCS) का प्रस्तुत ढांचा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप तैयार किया गया है।
2. एक अकादमिक वर्ष में 2 सेमेस्टर होंगे। सेमेस्टर की अवधि का निर्धारण विश्वविद्यालय द्वारा किया जाएगा।
3. प्रश्नपत्र (Paper) के लिए पाठ्यचर्या (Course) शब्द का प्रयोग किया गया है।
4. क्रेडिट पाठ्यचर्या के मूल्यांकन की इकाई है, जिसका मान-निर्धारण कार्य-दिवसों के बजाय वास्तविक शिक्षण/अध्ययन के घंटों पर किया गया है।
5. एक क्रेडिट के लिए प्रति सेमेस्टर 30 घंटे निर्धारित हैं। इसका विभाजन इस प्रकार है :

   (क) अध्यापन - 15 घंटे

   (i) कक्षा अध्यापन - 10 घंटे

   (ii) प्रयोगशाला/ट्यूटोरियल/सेमिनार आदि - 05 घंटे

   (ख) विद्यार्थी द्वारा अध्ययन - 15 घंटे (स्वाध्याय, पुस्तकालय, क्षेत्र कार्य आदि)
6. अनिवार्य और ऐच्छिक पाठ्यक्रमों में प्रत्येक पाठ्यचर्या 2 अथवा 4 क्रेडिट की होगी । पाठ्यचर्याओं का निर्धारण संबंधित विभाग द्वारा किया जाएगा। अनिवार्य एवं ऐच्छिक में 2 और 4 क्रेडिट दोनों प्रकार की पाठ्यचर्या रखी जानी चाहिए।
7. अनिवार्य और ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के बीच 70:30 का अनुपात रखा गया है।
8. विभिन्न पाठ्यचर्याओं के मूल्यांकन के लिए सेमेस्टर की लिखित परीक्षा और आंतरिक परीक्षा के बीच 3:1 (75/25) का अनुपात होगा । प्रत्येक पाठ्यचर्या के लिए परीक्षा प्रणाली (लिखित परीक्षा हेतु) इस प्रकार होगी :

(i)	दीर्घउत्तरीय/वर्णनात्मक	5 प्रश्नों में से 3 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 15 अंक
(ii)	लघुउत्तरीय	6 प्रश्नों में से 4 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 5 अंक
(iii)	बहुविकल्पीय	5 प्रश्न	प्रत्येक प्रश्न 2 अंक
	...	...	कुल 75 अंक

   अंकों का ग्रेड प्वाइंट/क्रेडिट प्वाइंट में रूपांतरण विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों की अनुरूपता में 10 प्वाइंट स्केल पर किया जाएगा।
9. कोई भी विद्यार्थी प्रत्येक सेमेस्टर में 4 क्रेडिट (20%) की अतिरिक्त पाठ्यचर्या का अध्ययन कर सकेगा जिसका उल्लेख प्रमाणपत्र/ ग्रेड-शीट पर होगा, किंतु मूल परीक्षा परिणाम में सम्मिलित नहीं किया जाएगा ।
10. एम.ए. के विद्यार्थियों के लिए कंप्यूटर और भाषा की कक्षाएँ दो-दो समेस्टर की होंगी । विद्यार्थी कंप्यूटर और भाषा की अनिवार्य पाठ्यचर्या के दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा चौथे सेमेस्टर में दे सकता है अथवा इन पाठ्यचर्याओं को वह तीसरे और चौथे सेमेस्टर में भी सुविधानुसार पूरा कर सकता है। एम.ए. उपाधि के लिए ये पाठ्यचर्याएं अनिवार्य हैं। आधार पाठ्यचर्या (अनिवार्य और ऐच्छिक) के लिए निर्धारित क्रेडिट का समायोजन संबंधित विभाग द्वारा मूल (Core) एवं ऐच्छिक के लिए कुल निर्धारित 20 क्रेडिट प्रति सेमेस्टर में से ही किया जाएगा ।
11. भाषाओं में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और एडवांस्ड डिप्लोमा एकीकृत पाठ्यक्रम हैं। कोई भी विद्यार्थी चाहे तो सर्टिफिकेट अथवा डिप्लोमा स्तर पर अपना अध्ययन छोड़ सकता है अथवा जारी रख सकता है।
12. किसी भी भाषा में एडवांस्ड डिप्लोमा प्राप्त स्नातक (न्यूनतम अर्हता होने पर) संबंधित भाषा में एम.ए. में प्रवेश के पात्र होंगे।
13. स्वच्छता अभियान, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक वानिकी और अधिकार/कर्त्तव्य जागरूकता कार्यक्रम जैसी कुछ क्रेडिट रहित पाठ्यचर्याएं भी होंगी। ऐसी पाठ्यचर्याओं में भागीदारी संतोषजनक श्रेणी में होना आवश्यक है।

विविध पाठ्यक्रमों हेतु निर्धारित शुल्क

शुल्क	बी.वोक. /बी.ए. /बी.कॉम.	एम.ए (#)	एम.ए ($)	एम.ए (@)	एम.ए (&)	एम.ए (€)	एम.कॉम.	एम.बी.ए.	एम.फिल.	पी-एच.डी.	सर्टिफिकेट/डिप्लोमा /एडवांस्ड डिप्लोमा (भारतीय भाषा)	सर्टिफिकेट/डिप्लोमा /एडवांस्ड डप्लोमा (विदेशी भाषा)	डिप्लोमा (©)	डिप्लोमा (®)	पी.जी. डिप्लोमा (#)	पी.जी. डिप्लोमा ($)	पी.जी. डिप्लोमा (@)	पी.जी. डिप्लोमा (&)	पी.जी. डिप्लोमा (€)	बी.एड.	डी.सी.ए.
प्रवेश शुल्क	300	300	300	300	300	500	300	2500	1500	2000	300	300	300	300	300	300	300	300	300	500	300
शिक्षण शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	1000	500	1000	1500	1000	2000	1000	3000	1000	2000	800	2000	1000	2000	1000	1000	800	2500	2000	3700	2000
सुरक्षा राशि	1000	1000	1000	1000	1000	1000	1000	2000	2000	3000	1000	1000	1000	1000	1000	1000	1000	1000	1000	2000	1000
स्टूडियो/प्रयोगशाला/क्षेत्रीय कार्य/शैक्षणिक भ्रमण शुल्क*	2000	2000	3000	2000	2000	2000	3000	3500	2000	1000	000	000	1000	000	1000	500	000	1500	000	2000	1000
पुस्तकालय शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	100	100	100	100	100	100	100	100	500	500	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100
सांस्कृतिक कार्यक्रम/ खेलकूद शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150
परिचय पत्र शुल्क	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100	100
इंटरनेट शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	100	200	200	200	200	200	200	200	500	500	000	000	000	000	000	000	000	000	000	200	500
चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150	150
परीक्षा शुल्क (प्रति सेमेस्टर)	300	300	300	300	300	300	300	500	500	4000 (एक बार)	300	300	300	300	300	300	300	300	300	500	500
विद्यार्थी कल्याण कोष (वार्षिक)	500	500	500	500	500	500	500	500	500	500	500	500	500	500	500	500	500	500	500	500	500

नोटः शुल्क विवरण।

1. शैक्षणिक भ्रमण शुल्क* : एम.फिल.कंम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान और एम.फिल. परफॉरमिंग आर्ट (फिल्म एंड थियेटर)₹3000 तथा एम.फिल. भाषाविज्ञान ₹2500
2. दलित एवं जनजातीय अध्ययन के पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक भ्रमण शुल्क नहीं लिया जाएगा।

एम.ए. (#) : भाषा अध्ययन, भाषाविज्ञान, अनुवाद अध्ययन, कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान, हिंदी साहित्य, तुलनात्मक साहित्य, विकास एवं शांति अध्ययन, स्त्री अध्ययन, दलित एवं जनजातीय अध्ययन, बौद्ध अध्ययन, मानवविज्ञान, मनोविज्ञान
एम.ए. ($) : मास्टर ऑफ परफॉरमिंग आर्ट (फिल्म एंड थियेटर), जनसंचार, एम.एस.डब्ल्यू.
एम.ए. (@) : शिक्षाशास्त्र
एम.ए. (&) : प्रवासन एवं डायस्पोरा
एम.ए. (€) : मास्टर इन पब्लिक हेल्थ (एम.पी.एच.)
डिप्लोमा (©) : डिप्लोमा इन फॉरेंसिक साइंस
डिप्लोमा (®) : योग तथा स्वास्थ्य अध्ययन में डिप्लोमा
पी.जी. डिप्लोमा (#) : अनुवाद, तुलनात्मक भारतीय साहित्य,स्त्री अध्ययन, देशज संस्कृति, भाषा एवं संस्कृति, पालि भाषा एवं साहित्य, बौद्ध अध्ययन, तिब्बती भाषा तथा धर्म, बौद्ध पर्यटन एवं गाइडिंग, गाँधी अध्ययन, भारतीय डायस्पोरा, भारतीय तथा पाश्चात्य कला एवं सौंदर्यशास्त्र
पी.जी. डिप्लोमा ($) : प्रयोजनमूलक हिंदी, निर्वचन, भाषा शिक्षण
पी.जी. डिप्लोमा (@) : अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान
पी.जी. डिप्लोमा (&) : विज्ञापन एवं जनसंपर्क, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया
पी.जी. डिप्लोमा (€) : एन.जी.ओ. मैनेजमेंट, परफॉरमिंग आर्ट (फिल्म एंड थियेटर)

विदेशियों के लिए हिंदी पाठ्यक्रम

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के प्रमुख दायित्वों में से एक हिंदी को विश्वभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करना भी है। अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिंदी के विकास के लिए केंद्रीय और समन्वयक अभिकरण के रूप में कार्य करने के लिए भी विश्वविद्यालय निरंतर प्रयत्नशील है । विश्वविद्यालय ने सौंपें गए और अपेक्षित दायित्वों को पूरा करने के लिए विदेशी शिक्षण प्रकोष्ठ की स्थापना की है । यह प्रकोष्ठ विदेशी विद्यार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों का संचालन, प्रबंधन, नियमन और शिक्षण करता है । अब तक इन पाठ्यक्रमों में यूरोप, अमेरिका और एशिया के विभिन्न देशों- जर्मनी, पोलैंड, बेल्जियम, क्रोएशिया, हंगरी, श्रीलंका, थाईलैंड, मॉरिशस, चीन, मलेशिया, जापान, सिंगापुर, नेपाल, कोरिया, यू.एस.ए. आदि के विद्यार्थी विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन कर चुकें हैं । विश्वविद्यालय ने विभिन्न महाद्वीपों के 11 देशों के विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक अनुबंध किया है । ये देश हैं- श्रीलंका, हंगरी, मॉरिशस, जापान, बेल्जियम, इटली, जर्मनी, रूस, चीन ।

संचालित पाठ्यक्रम :

क्रम	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि	लक्ष्य/पात्रता
1	आधार पाठ्यक्रम	4 सप्ताह	ऐसे विदेशी विद्यार्थी जिनका हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि से कोई परिचय नहीं है ।
2	अल्पावधि गहन प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम	4 सप्ताह	ऐसे विदेशी विद्यार्थी जिन्होंने कम-से-कम एक सेमेस्टर का हिंदी पाठ्यक्रम पूरा किया है ।
3	प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम	12 सप्ताह (3 माह)	उन विदेशी विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम का शिक्षण जिनके साथ विश्वविद्यालय का अनुबंध है।
4	डिप्लोमा पाठ्यक्रम	2 सेमेस्टर (कोई विद्यार्थी एक सेमेस्टर की पढ़ाई के बाद प्रमाणपत्र लेकर पाठ्यक्रम छोड़ सकता है ।)	हिंदी भाषा से सामान्य परिचय अथवा 4 सप्ताह का आधार पाठ्यक्रम
5	बी.ए. हिंदीः भाषा, साहित्य और संस्कृति	6 सेमेस्टर	10+2 और/डिप्लोमा पाठ्यक्रम
6	एम.ए. हिंदी	4 सेमेस्टर	बी.ए. हिंदी : भाषा, साहित्य और संस्कृति
7	पी-एच.डी.	4-10 सेमेस्टर	संबद्ध विषय में 55% अंकों के साथ स्नातकोत्तर अथवा समतुल्य उपाधि।

शुल्क : US $ 300 प्रतिमाह (शिक्षण शुल्क, छात्रावास, भोजन, बिजली, इंटरनेट और व्यायामशाला/जिम की सुविधाएँ सम्मिलित)।

सुविधाएँ : फ़ादर कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास (वातानुकूलित) में आवासीय सुविधा, वातानुकूलित व्याख्यान कक्ष, कंप्यूटर प्रयोगशाला, आइसीटी कक्ष एवं भाषा प्रयोगशाला, इंटरनेट (वाई-फाई), व्यायामशाला एवं क्रीड़ा-स्थल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, छात्र-मित्र ।

प्रवेश-पक्रिया : विदेशी विद्यार्थियों को प्रवेश-परीक्षा से छूट दी गयी है । यद्यपि प्रवेश होने की स्थिति में उनकी योग्यता की तुल्यता के आधार पर उनके प्रवेश पर विचार किया जाएगा और उन्हें निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे-

1. छात्र वीज़ा 2. चिकित्सा प्रमाणपत्र (यदि भारत सरकार द्वारा निर्धारित हो ।)

संपर्कः फ़ोनः +91–7152–230084, ई-मेल : ftc.mgahv@hindivishwa.org

आरक्षण :

आरक्षण भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमानुसार देय होगा। सीटों की संख्या रिक्त होने पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के स्थान नियमानुसार अंतरपरिवर्तनीय होंगे।

प्रवेश नियम

(बी.वोक./बी.ए.(ऑनर्स)/बी.कॉम.(ऑनर्स)/बी.एस.डब्ल्यू./बी.एड./एम.ए./एम.कॉम./एमबीए/एम.फिल./पी-एच.डी.)

1. आवेदन के साथ स्वहस्ताक्षरित जाति प्रमाणपत्र तथा विकलांगता प्रमाणपत्र छोड़कर अन्य कोई दस्तावेज़ न भेजें।

2. प्रत्येक पाठ्यक्रमों में निर्धारित स्थानों (सीटों की संख्या) के अधिकतम चार गुणा अभ्यर्थियों को आगे की प्रक्रिया हेतु बुलाया जाएगा।

3. प्रवेश परीक्षा में प्रत्येक पाठ्यक्रमों के लिये मूल्यांकन का तरीका निम्नानुसार होगा-
   30% - Past Performance (पूर्व का अकादमिक प्रदर्शन)
   50% - Comprehension & Expression (बोध एवं अभिव्यक्ति) (लिखित)
   20% - Interview (साक्षात्कार)/Interactive Session/Group Discussion

4. एम.ए.के विद्यार्थियों को किसी एक भारतीय अथवा विदेशी भाषा में डिप्लोमा करना अनिवार्य होगा। विद्यार्थी भारतीय/विदेशी भाषा **(मराठी, उर्दू, संस्कृत, पालि, मलयालम, बांग्ला, अंग्रेजी, चीनी, स्पेनिश, जापानी, फ्रेंच)** में डिप्लोमा अपनी मातृभाषा तथा शिक्षा के माध्यम की भाषा छोड़कर अन्य भाषा में ही प्रवेश ले सकेंगे। डिप्लोमा पाठ्यक्रम अर्हक (Qualifying) होगा जिसके अंक एम.ए./एम.कॉम/एम.बी.ए. के परीक्षाफल में नहीं जोड़े जाएंगे।

5. विश्वविद्यालय द्वारा संचालित एम.फिल./पी-एच.डी.पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए निर्धारित अर्हता रखने वाले एवं पूर्ण रूप से आवेदन-प्रपत्र भरकर जमा करने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश-पत्र जारी किया जाएगा। ऑन लाइन आवेदन करने वाले आवेदक को उनके द्वारा पंजीयन किये गये खाते में प्रवेश पत्र प्राप्त होगा।

6. अर्हक परीक्षा में बैठने जा रहे अभ्यर्थियों की पात्रता :-

   किसी विशेष पाठ्यक्रम की प्रवेश की पात्रता के रूप में निर्धारित अर्हक परीक्षा में बैठने जा रहे अभ्यर्थी उस स्पष्ट शर्त के साथ, अपने निजी उत्तरदायित्व पर प्रवेश-परीक्षा में बैठ सकते है। उनके चयनित होने की स्थिति में वे प्रवेश के लिए तभी अधिकृत होंगे जब उन्होंने अर्हक परीक्षा में अंकों का न्यूनतम निर्धारित प्रतिशत प्राप्त किया होगा और उन्हें पंजीयन के लिए निश्चित समय-सीमा से पूर्व अर्हक परीक्षा के अंतिम अंक पत्र सहित सभी दस्तावेज जमा कराने होंगे। जो अभ्यर्थी एम.ए.के बाद सीधे पी-एच.डी.में प्रवेश लेंगे उन्हें एक छमाही का कोर्स वर्क करना अनिवार्य होगा।

7. पी-एच.डी. के अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र के साथ शोध-प्रस्ताव की रूपरेखा (Synopsis) भी प्रस्तुत करना होगा।

8. **माइग्रेशन :** प्रत्येक चयनित विद्यार्थी के मूल प्रवजन प्रमाण-पत्र विश्वविद्यालय में जमा कराना अनिवार्य है। जो चयनित विद्यार्थी प्रवेश के दौरान किसी कारणवश प्रवजन प्रमाण-पत्र जमा न करा सकें उन एम.ए./एम.फिल. पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को प्रथम छमाही परीक्षा से पूर्व उसे जमा कराना होगा अन्यथा परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पी-एच.डी.में प्रवेश पानेवाले छात्रों को इसके लिए प्रवेशोपरांत एक माह तक का समय दिया जाएगा अन्यथा प्रवेश निरस्त किया जाएगा।

9. चयनित अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय में प्रवेश लेते समय अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों/दस्तावेज़ों की मूलप्रति सत्यापन के लिए उपलब्ध करानी होगी।

10. किसी संस्था में कार्यरत अभ्यर्थी को पी-एच.डी. (पूर्णकालिक होने के कारण) करने के लिए शोध की अवधि में नौकरी से अध्ययन अवकाश ग्रहण करना होगा।
11. शैक्षणिक भ्रमण मद में प्राप्त राशि से ही शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा। अतिरिक्त व्यय आने पर विद्यार्थी स्वयं वहन करेंगे।
12. विश्वविद्यालय परिसर अथवा छात्रावास में रैगिंग पूर्णतः प्रतिबंधित है। उल्लघंन करने वाले विद्यार्थियों पर कड़ी/कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में स्वहस्ताक्षरित शपथपत्र देना अनिवार्य है।
13. अभ्यर्थी द्वारा आवेदन-प्रपत्र में दी गई सूचना गलत पायी जाने पर उसका प्रवेश स्वतः निरस्त हो जाएगा।
14. प्रवेश के संबंध में किसी मामले में विवाद केवल वर्धा न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में होगा।
15. आवेदन पत्र के साथ तीन अतिरिक्त फोटो भेजना अनिवार्य है।

विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाएँ

विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान करता है-

1. इंटरनेट की सुविधा।
2. अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति/विकलांग श्रेणी के विद्यार्थियों को शिक्षण शुल्क में छूट दी जाएगी।
3. विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के आधुनिकतम संसाधनों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में एक कंप्यूटर प्रयोगशाला स्थापित की गई है। यहाँ न सिर्फ इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है, बल्कि कंप्यूटर के अनिवार्य-शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को शोध और ज्ञान की अधुनातन प्रविधियों से भी अवगत कराया जाता है।
4. विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में न सिर्फ वर्तमान में चल रहे पाठ्यक्रमों को केंद्रित करते हुए बल्कि भविष्य में करणीय अधुनातन शोध की दिशाओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विषयों से संबंधित पुस्तकों, पत्रिकाओं का एक व्यवस्थित और विशाल संग्रह किया जा रहा है। जहाँ एक ओर सभी विषयों से संबंधित नवीनतम पुस्तकों का एक अच्छा संग्रह यहाँ उपलब्ध है, वहीं दूसरी ओर हिंदी की पुरानी छपी दुर्लभ पुस्तकों और पांडुलिपियों को 'स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय' एवं 'अभिलेखागार' में संरक्षित किया जा रहा है।
5. संवाद कार्यक्रम।
6. कमज़ोर विद्यार्थियों के लिए उपचारात्मक कोचिंग (Remedial Coaching)
7. राष्ट्रीय सेवा योजना।
8. नेट कोचिंग, आई.ए.एस.एवं अन्य सिविल सेवाओं की प्रतियोगी परीक्षा हेतु प्रशिक्षण।
9. **क्रीड़ा और खेलकूद :** विश्वविद्यालय स्तर का छात्र शारीरिक गतिविधियों तथा संगठित खेलकूद और खेल कार्यक्रमों के महत्त्व से अवगत होता है जिन्हें उसके शैक्षणिक लक्ष्यों के साथ जोड़ना आवश्यक है। महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय खेलकूद मैदानों/स्थानों तथा क्रीड़ा उपकरणों के रूप में आधारभूत सुविधाएँ प्रदान करता है।
10. **विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केंद्र :** विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को आधारभूत स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य केंद्र संचालित किया जा रहा है।
11. **छात्रावास :** विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेशोपरांत (नियमित पाठ्यक्रम) छात्रों को छात्रावास की सुविधा उपलब्धता के आधार पर प्रदान की जाती है। छात्रावास से संबंधित विश्वविद्यालय में लागू अध्यादेश/नियम के अनुसार छात्रावास में प्रवेश हेतु चयनित विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। छात्रावास शुल्क बी.एड./एम.ए./एम.फिल. विद्यार्थियों के लिए ₹150 प्रति माह एवं पी-एच.डी. विद्यार्थियों के लिए ₹200 प्रति माह होगा। छात्रावास में दो विद्यार्थियों को एक कक्ष आवंटित किया जाएगा।
12. यू.जी.सी. द्वारा लागू नियम के अनुसार अनु.जाति/अनु.जनजाति वर्ग के छात्र/छात्राओं को छात्रावास में निःशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। (अंशकालिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने वाले अभ्यर्थी छात्रावास में स्थान के पात्र नहीं हैं।

13. एम.ए./एम.कॉम. के जरूरतमंद विद्यार्थियों को चिन्हित कर उनके नाम अधिष्ठाता, विद्यार्थी-कल्याण को भेजा जाएगा जिनकी अनुशंसा पर माननीय कुलपति के अनुमोदनोपरांत निर्धारित उपस्थिति के आधार पर संबंधित विद्यार्थियों को एक हज़ार रूपये मासिक छात्रवृत्ति दी जाएगी।

छात्रावास विनियम, 2015

1. प्रत्येक छात्रावास का एक वार्डेन होगा जो छात्रावास के प्रबंधन, नियमन एवं प्रशासन के लिए उत्तरदायी होगा। छात्रावास वार्डेन का मनोनयन कुलपति द्वारा किया जाएगा।
2. सभी छात्रावासों के अधीक्षण के लिए एक चीफ वार्डेन होगा जिसका मनोनयन कुलपति द्वारा किया जाएगा। सभी छात्रावासों के वार्डेन उसके निर्देशन और देखरेख में कार्य करेंगे। किसी छात्रावास वार्डेन के अवकाश की स्थिति में उसका प्रभार चीफ वार्डेन द्वारा धारित किया जाएगा। छात्रावास वार्डेन के अवकाश आवेदन की स्वीकृति का अधिकार भी चीफ वार्डेन को होगा।
3. संपूर्ण विश्वविद्यालय परिसर की तरह ही छात्रावासों में भी अनुशासन और व्यवस्था वार्डेन और चीफ वार्डेन के सहयोग से कुलानुशासक के नियंत्रण में होगी।
4. छात्रावास संबंधी किसी भी प्रकार की परिवेदना होने पर कोई भी अंतेवासी अपना आवेदन वार्डेन/चीफ वार्डेन को प्रस्तुत करेगा। परिवेदना का निराकरण न होने की स्थिति में वह अपना आवेदन अधिष्ठाता, छात्र कल्याण को प्रस्तुत करेगा। अधिष्ठाता, छात्र कल्याण की अनुशंसा के आधार पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।
5. किसी भी अंतेवासी के विरुद्ध यदि अनुशासनात्मक अथवा अन्य किसी प्रकार का प्रकरण प्रस्तावित होता है तो उसकी जाँच कर निर्णय संस्तुत करने के लिए समिति इस प्रकार होगी -

i.	कुलपति द्वारा नामित प्रोफेसर	-	अध्यक्ष
ii.	कुलानुशासक	-	सदस्य
iii.	अधिष्ठाता, छात्र कल्याण	-	सदस्य
iv.	संबंधित विभागाध्यक्ष	-	सदस्य
v.	चीफ वार्डेन	-	सदस्य
vi.	संबंधित छात्रावास वार्डेन	-	सदस्य
vii.	सहायक कुलसचिव अथवा उच्च पदधारक अधिकारी	-	सचिव

6. छात्रावास में किसी भी विद्यार्थी को केवल एक अकादमिक सत्र के लिए कक्ष आवंटित किया जाएगा। दूसरे अकादमिक सत्र के लिए आवंटन हेतु वह पुनः आवेदन करेगा और इसके लिए पात्र होगा। ग्रीष्मावकाश में उसे छात्रावास खाली करना होगा। विशेष परिस्थिति में वार्डेन की संस्तुति पर चीफ वार्डेन द्वारा ग्रीष्मावकाश में छात्रावास में रहने की अनुमति दी जा सकेगी जिसके लिए उसे विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित दर से भुगतान करना होगा।
7. एम.फिल/पी-एच.डी. शोधार्थियों को संबंधित अध्यादेश के नियमानुसार छात्रावास खाली करने की व्यवस्था से मुक्त रखा जाएगा।
8. समान पाठ्यक्रम के लिए दुबारा छात्रावास में कक्ष आबंटन नहीं होगा।
9. किसी भी दशा में किसी भी अंतेवासी के लिए छात्रावास में कक्ष आबंटन की अधिकतम अवधि 7 वर्ष होगी। केवल सर्टिफिकेट/डिप्लोमा/पी.जी. डिप्लोमा कर रहे विद्यार्थियों को छात्रावास की सुविधा नहीं दी जा सकेगी।

10. छात्रावास में कक्ष आवंटन प्रत्येक अकादमिक सत्र में प्रवेश के उपरांत मेरिट के आधार पर किया जाएगा। मेरिट का निर्धारण विश्वविद्यालय की प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों तथा उसके द्वारा उत्तीर्ण अर्हताकारी परीक्षाओं के प्राप्तांकों के औसत को बराबर महत्त्व देते हुए किया जाएगा। छात्रावास हेतु आवेदन के लिए प्रवेश आवेदन में ही नियत कॉलम होगा।

11. छात्रावास आवंटन एक समिति द्वारा किया जाएगा जिसका गठन इस प्रकार होगा–

    i. चीफ वार्डेन – अध्यक्ष

    ii. सभी छात्रावासों के वार्डेन – सदस्य

12. छात्रावास में किसी प्रकार की उद्दंडता, मद्यपान, धूम्रपान, मादक द्रव्य सेवन, कोई अन्य अपकृत्य करने अथवा किसी अन्य विद्यार्थी को उत्प्रेरित करने की दशा में वार्डेन संबंधित विद्यार्थी/विद्यार्थियों के विरुद्ध निलंबन की कार्यवाही हेतु चीफ वार्डेन के माध्यम से कुलानुशासक को अनुशंसा कर सकता है। आवश्यकता होने पर निलंबन के उपरांत अनुच्छेद 5 के अंतर्गत गठित समिति संबंधित प्रकरण की जाँच कर आवश्यक कार्रवाई की संस्तुति कर सकती है।

13. अनुच्छेद 12 की तरह ही रैगिंग में संलिप्त पाये जाने पर संबंधित विद्यार्थी/विद्यार्थियों के विरुद्ध प्रक्रिया अपनाकर कार्रवाई की जाएगी।

14. किसी भी अंतेवासी द्वारा छात्रावास में की गई तोड़-फोड़ अथवा संपत्ति को हानि पहुँचाने अथवा उपलब्ध करायी गई सुविधाओं का दुरुपयोग करने पर आर्थिक दंड के साथ-साथ उसके विरुद्ध अनुच्छेद 12 में प्रस्तावित प्रक्रिया से अन्य आवश्यक कार्रवाई भी की जा सकती है।

15. छात्रावास में प्रवेश के समय प्रत्येक विद्यार्थी और उसके अभिभावक को रैगिंग निरोधक तथा सद्व्यवहार संबंधी शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा।

16. बिना पूर्व अनुमति के छात्रावास से बाहर जाने की दशा में किसी प्रकार की दुर्घटना के लिए विद्यार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा। इसी प्रकार बैंक ऋण अथवा किसी अन्य देनदारी के लिए भी विद्यार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा। इस प्रकार के किसी प्रयोजन के लिए वह विश्वविद्यालय/छात्रावास के पते का उपयोग भी नहीं करेगा।

17. विश्वविद्यालय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम पर स्थापित है। अतः सभी छात्रावासों में उनके द्वारा स्थापित मूल्यों और आचार पद्धति, जिनमें अहिंसा, शांति तथा शाकाहार विशेष हैं, के अनुपालन की अपेक्षा की जाती है।

18. छात्रावास में मेस का संचालन/प्रबंधन स्वयं छात्रों के समूह द्वारा आनुक्रमिक पद्धति से किया जाएगा। मेस के कर्मचारी विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध कराये जाएँगे। मेस परिचालन के लिए छात्रों द्वारा चुने गए समूह को प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में पिछले माह के खर्च का ब्यौरा प्रस्तुत करना होगा। प्रत्येक विद्यार्थी को ₹2000 की सुरक्षा राशि मेस खाते में छात्रावास प्रवेश के समय जमा करानी होगी। प्रतिमाह विद्यार्थी को मेस संचालन के लिए नियत अग्रिम राशि वार्डेन के माध्यम से बैंक खाते में जमा करानी होगी। मेस संचालन समिति को आवश्यक खर्च के लिए भुगतान चेक से किया जाएगा।

19. फादर कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास में रहने वाले विदेशी विद्यार्थियों/अतिथियों के लिए प्रबंधन (मेस सहित) का उत्तरदायित्व, अनुबंध के अधीन अथवा यथास्थिति, वार्डेन का होगा।

20. किसी भी छात्रावास से संबंधित बैंक खाते का परिचालन चीफ वार्डेन तथा संबंधित वार्डेन द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।

21. छात्रावास विनियम-2015 में जो उल्लिखित नहीं है, उन सभी मामलों में कुलपति का निर्णय अंतिम होगा।

14. बी.एड./एम.ए./एम.कॉम./एम.बी.ए./एम.फिल./पी-एच.डी. लिखित परीक्षा/साक्षात्कार तिथि

परीक्षा तिथि, दिन एवं परीक्षा समय	पाठ्यक्रम का नाम	साक्षात्कार तिथि
30 मई 2015 (शनिवार) पूर्वाह्न 09 बजे से 12 बजे तक	एम.ए./एम.फिल. अनुवाद अध्ययन एम.ए./एम.फिल.परफॉर्मिंग आर्ट (फ़िल्म एंड थियेटर) एम.ए./एम. फिल. स्त्री अध्ययन एम.ए./एम.फिल. प्रवासन एवं डायस्पोरा अध्ययन	01 से 08 जुलाई 2015
	पी-एच.डी. भाषा अध्ययन पी-एच.डी. हिंदी साहित्य पी-एच.डी. तुलनात्मक साहित्य पी-एच.डी. विकास एवं शांति अध्ययन	01 से 08 जुलाई 2015
30 मई 2015 (शनिवार) अपराह्न 02 बजे से 05 बजे तक	बी.ए. पत्रकारिता एवं जनसंचार/एम.ए./एम.फिल. जनसंचार एम.ए./एम.फिल. मानवविज्ञान एम.ए./एम.फिल. मनोविज्ञान एम.ए./एम.फिल शिक्षाशास्त्र	01 से 08 जुलाई 2015
	पी-एच.डी. कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स पी-एच.डी. दलित एवं जनजातीय अध्ययन पी-एच.डी.सोशल वर्क पी-एच.डी.जनसंचार	01 से 08 जुलाई 2015
31 मई 2015 (रविवार) पूर्वाह्न 09 बजे से 12 बजे तक	एम.ए./एम.फिल.कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स एम.ए./एम.फिल. भाषाविज्ञान बी.ए./एम.ए./एम.फिल. हिंदी साहित्य एम.ए./एम.फिल. तुलनात्मक साहित्य एम.ए./एम.फिल.दलित एवं जनजातीय अध्ययन बी.एस.डब्ल्यू./एम.एस.डब्ल्यू. एम.फिल. सोशल वर्क	01 से 08 जुलाई 2015
	पी-एच.डी. स्त्री अध्ययन पी-एच.डी. मानवविज्ञान पी-एच.डी. शिक्षाशास्त्र	01 से 08 जुलाई 2015
31 मई 2015 (रविवार) अपराह्न 02 बजे से 05 बजे तक	एम.फिल. चायनीज़ एम.फिल. स्पेनिश एम.ए./एम.फिल. भाषा अध्ययन एम.ए./एम.फिल. बौद्ध अध्ययन एम.ए./एम.फिल. विकास एवं शांति अध्ययन	01 से 08 जुलाई 2015
01 जून 2015 (सोमवार) पूर्वाह्न 09 बजे से 12 बजे तक	बी.एड./बी.कॉम./एम.कॉम.	01 से 08 जुलाई 2015
01 जून 2015 (सोमवार) अपराह्न 02 बजे से 05 बजे तक	एम.बी.ए.	01 से 08 जुलाई 2015
प्रवेश हेतु लिखित परीक्षा केंद्र : वर्धा, दिल्ली, इलाहाबाद एवं कोलकाता।		

नोटः परीक्षा केंद्र, तिथि, समय में परिवर्तन का अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित रहेगा।

अकादमिक कैलेंडर : 2015-16

1.	आवेदन-प्रपत्र सहित विवरणिका प्राप्त करने एवं जमा करने की तिथि	:	01 अप्रैल से 19 मई, 2015
2.	बी.ए./बी.कॉम./बी.एड./एम.ए./एम.कॉम/एमबीए लिखित परीक्षा तिथि	:	30 एवं 31 मई, 2015
3.	बी.ए./बी.कॉम./बी.एड./एम.ए./एम.कॉम/एमबीए साक्षात्कार तिथि	:	01 से 08 जुलाई, 2015
4.	एम.फिल./पी-एच.डी. लिखित परीक्षा तिथि	:	30 एवं 31 मई, 2015
5.	एम.फिल./पी-एच.डी. साक्षात्कार तिथि	:	01 से 08 जुलाई, 2015
6.	प्रवेश की तिथि (बी.ए./बी.कॉम./बी.एड./एम. ए./एम.कॉम./एमबीए/एम.फिल./पी-एच.डी.)	:	01 से 15 जुलाई, 2015

शैक्षणिक सत्र

1.	प्रथम/तृतीय सेमेस्टर (मानसून सत्र)	:	01 जुलाई, 2015 से 27 नवंबर, 2015 तक
2.	द्वितीय/चतुर्थ सेमेस्टर (शीत सत्र)	:	14 दिसंबर, 2015 से 29 अप्रैल, 2016 तक

सेमेस्टर अंतराल	:	30 नवंबर, 2015 से 11 दिसंबर, 2015 तक
ग्रीष्मावकाश	:	05 मई, 2016 से 15 जून, 2016 तक
स्थापना दिवस	:	29 दिसंबर, 2015

सत्रांत परीक्षा (प्रथम/तृतीय सेमेस्टर)	:	10 नवंबर, 2015 से 25 नवंबर, 2015
सत्रांत परीक्षा (द्वितीय/चतुर्थ सेमेस्टर)	:	11 अप्रैल, 2016 से 25 अप्रैल, 2016

लीला (LILA)

'लीला' (Laboratory in Informatics for the Liberal Arts) महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के अंतर्गत स्थापित सूचना-प्रौद्योगिकी अनुषंग है।

इक्कीसवीं सदी की विश्व व्यवस्था में सामान्यतः और शिक्षा के क्षेत्र में विशेषतः सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की केंद्रीय उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने अभिकलन (Computing) से प्रगाढ़ व्यावहारिक परिचय को अनिवार्य पाठ्यचर्या के रूप में अपनी पाठ्यसंहिता के अंतर्गत रखा है।

विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों में अभिकलन-आधारित पाठ्यचर्याओं का निर्धारण एवं शिक्षण, अभिकलनमूलक स्वतंत्र पाठ्यक्रमों को चलाना, 'लीला' की जिम्मेदारियाँ हैं। संक्षेप में, विश्वविद्यालय की अभिकलन प्रस्तुति की सूत्रधारिता 'लीला' का कार्य है।

'लीला' ने अपनी योजनाओं में भावी अभिकलन (Futuristic Computing) को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय की वेबसाइट से लेकर पाठ्यचर्या निर्माण तक अपनी गतिविधियों को मुक्त सॉफ्टवेयर (Free Software) पर आधारित किया है।

कंप्यूटर प्रयोगशाला

शिक्षा के आधुनिकतम संसाधनों को विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में एक कंप्यूटर प्रयोगशाला स्थापित की गई है। यहाँ न सिर्फ इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है बल्कि कंप्यूटर के अनिवार्य शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को शोध और ज्ञान की अधुनातन प्रविधियों से भी अवगत कराया जाता है।

पुस्तकालय

महापंडित राहुल सांस्कृत्यायन केंद्रीय पुस्तकालय में विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों से संबंधित एक लाख से अधिक पाठ्यपुस्तकें एवं संदर्भ ग्रंथ उपलब्ध हैं। विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के उपयोग हेतु महत्वपूर्ण शोध-पत्रिकाएँ मंगाई जा रही हैं। पुस्तकालय के डिज़िटलाइजेशन का कार्य अंतिम चरण में है। पुस्तकालय में ऑनलाइन जर्नल की सुविधा है।

दूर शिक्षा निदेशालय

विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा निदेशालय का उद्देश्य हिंदी भाषा के माध्यम से ज्ञान के नवीनतम अनुशासनों की शिक्षा समाज के हर तबके-विशेष तौर पर हाशिए पर शिक्षा से वंचित लोगों तक पहुँचाना है। यह निदेशालय हिंदी भाषा को आधार बनाकर प्रबंधन, सूचना प्रौद्योगिकी, अनुवाद आदि अनुशासनों में शिक्षण, मौलिक सोच एवं लेखन को प्रोत्साहित करने हेतु प्रतिबद्ध है। यह निदेशालय स्त्री-अध्ययन, अहिंसा एवं शांति अध्ययन जैसे नवीनतम अनुशासनों को व्यापक समाज तक पहुँचाने का प्रयास करेगा ताकि विश्व शांति एवं समता जैसे मूल्यों को व्यावहारिक तौर पर सिद्ध किया जा सके। हिंदी में मौलिक-वैकल्पिक सोच एवं शोध के लिए प्रतिबद्ध दूर शिक्षा निदेशालय यह प्रयास करेगा कि एक ओर दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम शोध-अनुसंधान द्वारा हिंदी एवं ज्ञान के अन्य अनुशासनों में मौलिक सृजन करे, साथ ही, दूसरी ओर हिंदी भाषा के माध्यम से रोज़गारोन्मुख पाठ्यक्रमों द्वारा समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सके। देश में उच्च शिक्षा के लगातार महँगे एवं आमजन की पहुँच से दूर होने के इस दौर में दूरस्थ शिक्षा की भूमिका निर्विवाद एवं महत्वपूर्ण है।

नोट :

विस्तृत विवरण के लिए दूर शिक्षा कार्यक्रम की विवरणिका देखें। इस संदर्भ में जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.hindivishwa.org पर भी उपलब्ध है। फोनः (07152) 247146, 255360

दूर शिक्षा निदेशालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम

1. एम.एस.डब्ल्यू.
2. एम.ए. (जर्नलिज़्म एंड मास कम्यूनिकेशन)
3. मास्टर इन लाइब्रेरी एंड इनफॉर्मेशन साइंस
4. बैचलर इन लाइब्रेरी एंड इनफॉर्मेशन साइंस
5. बी.ए. (जर्नलिज़्म एंड मास कम्यूनिकेशन)
6. P.G.D.E.M. & F.P.
7. P.G.D.J.M.C.
8. M.B.A.

विश्वविद्यालय के अधिकारी

कुलाध्यक्ष	माननीय श्री प्रणब मुखर्जी	☎ (011) 23015321
कुलाधिपति	प्रो. कपिल कपूर	☎ (011) 23916875
कुलपति	प्रो. गिरीश्वर मिश्र	☎ (07152) 230907
प्रतिकुलपति	प्रो. चित्तरंजन मिश्र	☎ (07152) 252148
संकायाध्यक्ष : भाषा विद्यापीठ	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल	☎ (07152) 230084
संकायाध्यक्ष : साहित्य विद्यापीठ	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	☎ (07152) 232974
संकायाध्यक्ष : संस्कृति विद्यापीठ	प्रो. लेल्ला कारूण्यकरा	☎ (07152) 246967
संकायाध्यक्ष : अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ	प्रो. चित्तरंजन मिश्र	☎ (07152) 232984
संकायाध्यक्ष : मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	प्रो. अनिल कुमार राय	☎ (07152) 251170
संकायाध्यक्ष : सृजन विद्यापीठ	प्रो. मनोज कुमार	☎ (07152) 251878
संकायाध्यक्ष : शिक्षा विद्यापीठ	प्रो. अरबिंद कुमार झा	☎ (07152) 230908
संकायाध्यक्ष : प्रबंधन विद्यापीठ	प्रो. अरबिंद कुमार झा	☎ (07152) 230908
अधिष्ठाताः विद्यार्थी-कल्याण	प्रो. अनिल कुमार राय	☎ (07152) 251170
कुलानुशासक	प्रो. सूरज प्रसाद पालीवाल	☎ (07152) 247124
कुलसचिव, वित्ताधिकारी, परीक्षा नियंत्रक	श्री संजय भा. गवई	☎ (07152) 230906
पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. मैत्रेयी घोष	☎ (07152) 248007
अकादमिक संयोजक	डॉ. शोभा पालीवाल	☎ (07152) 230912
संयुक्त कुलसचिव (अकादमिक)	श्री क़ादर नवाज़ ख़ान	☎ (07152) 251661
संयुक्त कुलसचिव (दूरस्थ शिक्षा)	श्री पी. सरदार सिंह	☎ (07152) 247146
विशेष कर्त्तव्य अधिकारी (परिसर विकास)	श्री नरेंद्र सिंह	☎ (07152) 246863
सहायक कुलसचिव (स्थापना)	डॉ. राजेश्वर सिंह	☎ (07152) 255707
सहायक कुलसचिव (कुलपति कार्यालय)	श्री राजेश अरोड़ा	☎ (07152) 230907
सहायक कुलसचिव (परिसर)	श्री ज्योतिष पायेङ	☎ (07152) 255686
हिंदी अधिकारी	श्री राजेश कुमार यादव	☎ (07152) 230910

विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष/केंद निदेशक/प्रभारी

विभागाध्यक्षः भाषा अध्ययन विभाग	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल	☎ (07152) 230084
विभागाध्यक्षः कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग	प्रो. विजय कुमार कौल	☎ (07152) 251173
निदेशकः भारतीय एवं विदेशी भाषा अध्ययन केंद्र	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल	☎ (07152) 230084
प्रभारीः विदेशी शिक्षण प्रकोष्ठ	प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल	☎ (07152) 230084
विभागाध्यक्षः हिंदी एवं तुलनात्मक साहित्य विभाग	प्रो. कृष्ण कुमार सिंह	☎ (07152) 232974
विभागाध्यक्षः विकास एवं शांति अध्ययन विभाग	डॉ. नृपेन्द्र प्रसाद मोदी	☎ (07152) 230313
प्रभारी विभागाध्यक्षः स्त्री अध्ययन विभाग	डॉ. सुप्रिया पाठक	☎ (07152) 232947
निदेशकः डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर-सिदो कान्हू मुर्मू दलित एवं जनजातीय अध्ययन केंद्र	प्रो. लेल्ला कारूण्यकारा	☎ (07152) 246967
निदेशकः महात्मा गांधी फ्यूजीई-गुरुजी सामाजिक कार्य अध्ययन केंद्र	प्रो. मनोज कुमार	☎ (07152) 251878
प्रभारी निदेशकः डॉ. भदंत आनंद कौसल्यायन बौद्ध अध्ययन केंद्र	डॉ. सुरजीत कुमार सिंह	☎ (07152) 251728
विभागाध्यक्षः अनुवाद अध्ययन विभाग	प्रो. देवराज	☎ (07152) 232984
प्रभारी विभागाध्यक्षः डायस्पोरा अध्ययन विभाग	डॉ. राजीव रंजन राय	☎ (07152) 232984
निदेशकः संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र	प्रो. अनिल कुमार राय	☎ (07152) 251170
विभागाध्यक्षः मानवविज्ञान विभाग	डॉ. फरहद मलिक	☎ (07152) 230197
विभागाध्यक्षः नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग तथा भारतीय तथा पाश्चात्य कला एवं सौन्दर्य शास्त्र का केंद्र	प्रो. सुरेश शर्मा	☎ (07152) 252251
विभागाध्यक्षः शिक्षा विभाग	प्रो. अरबिंद कुमार झा	☎ (07152) 230908
निदेशकः नेहरू अध्ययन केंद्र	प्रो. अरबिंद कुमार झा	☎ (07152) 230908
निदेशकः अंबेडकर अध्ययन केंद्र	प्रो. मनोज कुमार	☎ (07152) 251878
प्रभारी विभागाध्यक्षः मनोविज्ञान विभाग	डॉ. अरूण प्रताप सिंह	☎ (07152) 230908
विभागाध्यक्षः प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग	प्रो. अरबिंद कुमार झा	☎ (07152) 230908
निदेशकः दूर शिक्षा निदेशालय	प्रो. अरबिंद कुमार झा	☎ (07152) 247146
प्रभारी, क्षेत्रीय केंद्र इलाहाबाद	प्रो. संतोष कुमार भदौरिया	☎ (0532) 2424442
प्रभारी, क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता	डॉ. कृपाशंकर चौबे	☎ (033) 22900147
प्रभारी, लीला	श्री गिरीश चन्द्र पांडेय	☎ (07152) 230743
प्रभारी, परीक्षा	श्री कौशल किशोर त्रिपाठी	☎ (07152) 242812

विभिन्न समितियों के संयोजक/समन्वयक/अधिकारी

अ.क्र.	प्रभारी/संयोजक	समितियाँ	सपर्क
1	प्रो. गिरीश्वर मिश्र	कुलपति एवं अध्यक्ष नवाचार क्लब/आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ/ पुस्तकालय सलाहकार समिति/ रैंगिंग विरोधी समिति	☎ 230907
2	प्रो. चित्तरंजन मिश्र	पारदर्शिता अधिकारी/अध्यक्ष, अनुपयोगी वस्तुओं की नीलामी हेतु समिति	☎ 252148
3	प्रो. मनोज कुमार	समन्वयक, सामुदायिक विकास प्रकोष्ठ/ विश्वविद्यालय उद्योग प्रकोष्ठ लायज़न ऑफिसर, अनुसूचित जाति/जनजाति प्रकोष्ठ	☎ 251878
4	प्रो. सूरज प्रसाद पालीवाल	समन्वयक, शिकायत निवारण प्रकोष्ठ/अध्यक्ष, सौंदर्यीकरण एवं परिसर स्वच्छता समिति/स्वास्थ्य समिति/नोडल अधिकारी, रैंगिंग विरोधी दल	☎ 247124
5	प्रो. के. के. सिंह	अध्यक्ष, प्रवेश समिति	☎ 232974
6	प्रो. अनिल कुमार राय	समन्वयक, सूचना प्रौद्योगिकी नीति मसौदा समिति/अध्यक्ष, सामुदायिक महाविद्यालय परियोजना	☎ 251170
7	डॉ. रूपेश कुमार सिंह	संयोजक, आखर अद्यतन/ अधीक्षक, भगत सिंह छात्रावास	☎ 232974
8	प्रो. अरबिंद कुमार झा	समन्वयक, उपचारात्मक कोचिंग	☎ 230908
9	प्रो. विजय कुमार कौल	प्रभारी, खेल समिति/समन्वयक, ज्ञान प्रकोष्ठ	☎ 251173
10	प्रो. सुरेश शर्मा	सहपाठ्यक्रम एवं सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधि प्रकोष्ठ, प्रभारी, स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय	☎ 252251
11	डॉ. रवि कुमार	समन्वयक, ज्ञान प्रबंधन पॉलिसी निर्माण समिति	☎ 230084
12	डॉ. अनिर्बान घोष	समन्वयक, व्यवसाय परामर्श, रोज़गार सूचना एवं नियोजन प्रकोष्ठ/ पर्यावरण क्लब/ अधीक्षक, फा. कामिल बुल्के अंतरराष्ट्रीय छात्रावास	☎ 230084
13	डॉ. अन्नपूर्णा सी.	समन्वयक, महिला उत्पीड़न के विरुद्ध समिति	☎ 232984
14	डॉ. उमेश कुमार सिंह	संयोजक, समान अवसर प्रकोष्ठ	☎ 247124
15	डॉ. सुप्रिया पाठक	समन्वयक, जेंडर संवेदनशीलता समिति	☎ 232947
16	डॉ. अवंतिका शुक्ला	प्रभारी, वाद-विवाद प्रकोष्ठ, वार्डन, सावित्रीबाई फुले महिला छात्रावास	☎ 232947
17	डॉ. शंभू जोशी	पूर्व छात्र संघ एवं पालक संचार प्रकोष्ठ/अधीक्षक, गोरख पांडेय छात्रावास	☎ 251878
18	डॉ. अशोकनाथ त्रिपाठी	प्रतियोगी परीक्षाओं एवं नेट/सेट के लिये अनुशिक्षण कक्षाएँ तथा व्यवसायोन्नति प्रकोष्ठ	☎ 232974
19	श्री राजेश कुमार यादव	राजभाषा समिति/न.रा.का.स./हिंदी विश्व ब्लॉग/प्रकाशन प्रभारी	☎ 230910
20	श्री राकेश श्रीमाल	संयोजक, वर्धा संस्कार प्रकोष्ठ	☎ 230901
21	डॉ. निशीथ राय	उत्पाद विकास सेल/(Product Development Cell)	☎ 230197
22	श्री कौशल किशोर त्रिपाठी		☎ 242812
23	श्री जगदीप सिंह दांगी	तकनीकी प्रबंधन दल/(Technology Management Group)	☎ 251173
24	श्री अंजनी कुमार राय		☎ 230743
25	श्री गिरीश चन्द्र पांडेय		☎ 230743
26	श्री अरविंद कुमार		☎ 251170
27	श्री नरेंद्र सिंह	विशेष कर्त्तव्य अधिकारी/प्रभारी, नागार्जुन सराय अतिथि गृह	☎ 232669
28	डॉ. धूपनाथ प्रसाद	अधीक्षक, बिरसा मुण्डा छात्रावास	☎ 230313

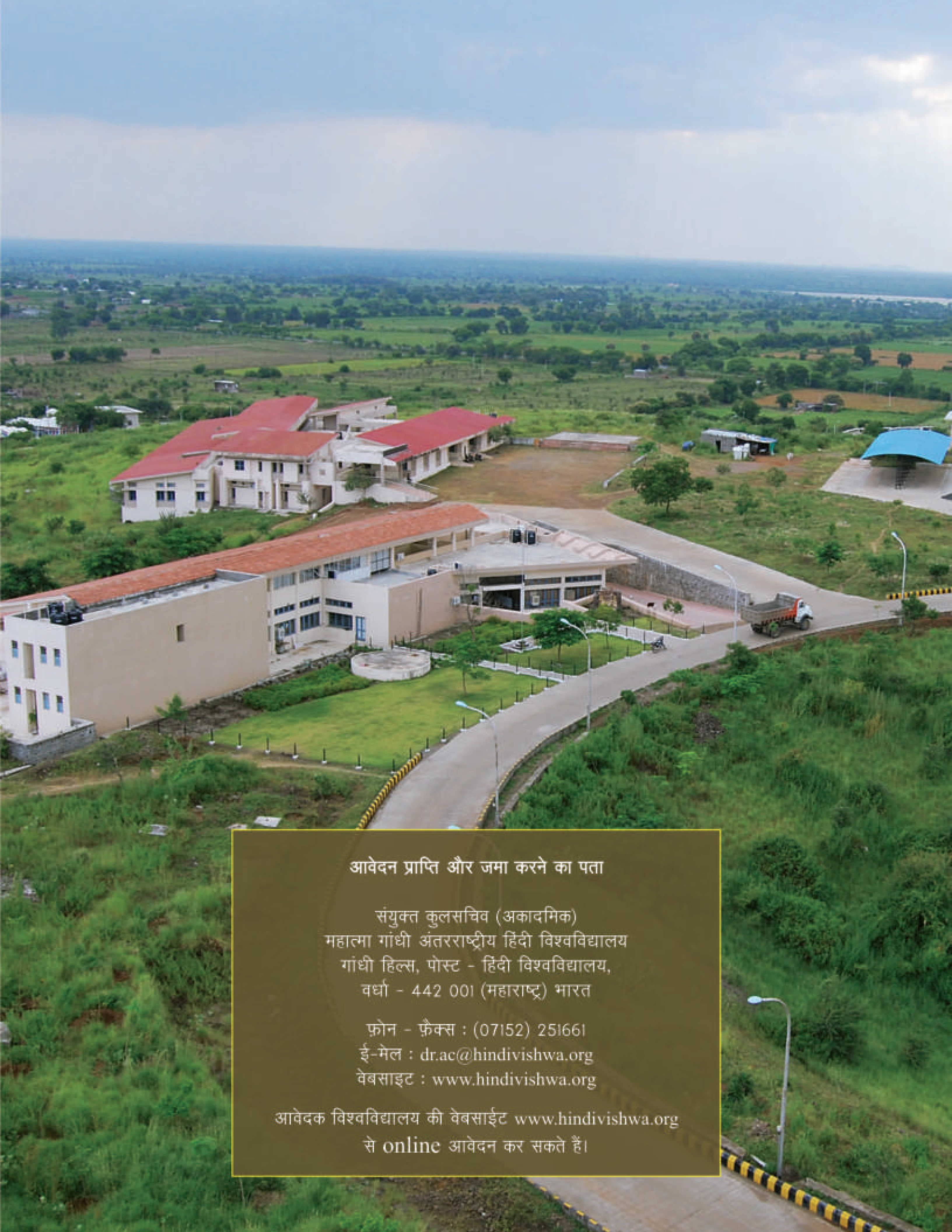

आवेदन प्राप्ति और जमा करने का पता

संयुक्त कुलसचिव (अकादमिक)
महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
गांधी हिल्स, पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय,
वर्धा - 442 001 (महाराष्ट्र) भारत

फ़ोन - फ़ैक्स : (07152) 251661
ई-मेल : dr.ac@hindivishwa.org
वेबसाइट : www.hindivishwa.org

आवेदक विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.hindivishwa.org से online आवेदन कर सकते हैं।

ज्ञान शांति मैत्री

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
गांधी हिल्स, वर्धा - 442 005 (महाराष्ट्र) भारत
ई-मेल : dr.ac@hindivishwa.org । फोन : फैक्स : (07152) 251661 । वेबसाइट : www.hindivishwa.org

नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त